विदर्भ स्वाभिमान

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189.

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 अक्तूबर 2023 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

खुशियों के कुछ टिप्स

जीवन में जो लोग परमार्थ के लिए प्रयास करते हैं, उनके लिए जीवन में कभी दुःखदायी प्रसंग आया तो भी प्रभु उन्हें हिम्मत देते हैं. लेकिन जो लोग जीवनभर केवल स्वयं के लिए ही जीते हैं, वे छोटी सी मुसीबत में भी टूट जाते हैं. इसलिए परमार्थ का कार्य जितना संभव हो करते रहें.

पेज नंबर 2
संस्कार और शक्ती का जागरण पर्व है नवरात्रि

पेज नं.2
सरकारी होते ही क्यों बढ रही है नकारात्मकता,विचार करना जरूरी है

पेज नं.3
संत सेवा की आदर्श परंपरा निभा रहा है वर्षों से शर्मा परिवार

पेज नं. 8
युवाओं को भी सक्रिय समाजसेवा में शर्मसार करने वाले समाजसेवी हैं डॉ. गोविंद कासट

धर्म, मानवता और संस्कारों को बढ़ावा देने वाला, पूरी तरह से सकारात्मक खबरों को प्राथमिकता देने वाला देश का एकमात्र हिंदी साप्ताहिक अखबार

घड़ी पर चाचा-भतीजे में तकरार

विदर्भ स्वाभिमान, 2 अक्तूबर

पणे-महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सभी दलों द्वारा प्रयास शुरू किया गया है. इस बीच राकांपा के दोनों चाचा-भतीजे के गुटों वाली पार्टी में चुनाव चिन्ह घड़ी को लेकर तकरार पैदा हो गयी है. यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है. चुनाव से पहले एक बार फिर एनसीपी में चिन्ह को लेकर विवाद उठा है. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरदचंद्र पवार ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है. शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में अजीत पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को 'घड़ी' चिन्ह का उपयोग करने से रोकने का आदेश दिया जाए.

एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में यह भी कहा है कि अजीत पवार गुट को नया चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाए. इसके लिए भारत के चुनाव आयोग में आवेदन करने का निर्देश अजित पवार को देने का आग्रह किया है.मामले पर सभी की निगाहें लगी हैं

चुनाव आयोग ने अजित पवार को दिया है घड़ी चिन्ह-एनसीपी में दरार के बाद, इस साल फरवरी में ईसीआई ने अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को उसके विधायी बहुमत के आधार पर आधिकारिक एनसीपी के रूप में मान्यता दी था.इसी के साथ चुनाव आयोग ने एनसीपी के चुनाव चिन्ह 'घड़ी' को भी अजित पवार को ही आवंटित किया था.शरद पवार ने तर्क दिया है कि प्रतिद्वंद्वी अजित पवार गुट ने लोकसभा चुनाव में 'घड़ी' चिह्न के उपयोग किया. इसके चलते मतदाताओं में भ्रम पैदा हुआ और इसका नतीजा यह हुआ कि उनके गुट एनसीपी शरद पवार को नुकसान

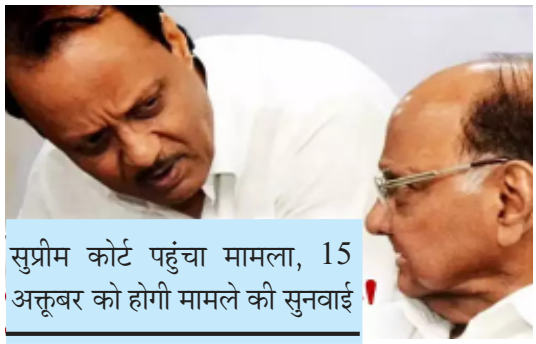

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मामला, 15 अक्तूबर को होगी मामले की सुनवाई

हुआ.आवेदन में कहा गया है कि निर्वाचन क्षेत्रों के अपेक्षाकृत छोटे आकार के कारण इस तरह के भ्रम के विधानसभा चुनावों में अधिक प्रभाव पड़ेगा. शरद पवार ने अजीत पवार को मामले के लंबित रहने के दौरान आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लड़ने के सीमित उद्देश्य के लिए एक नए चुनाव चिन्ह के लिए आवेदन करने के निर्देश देने की मांग की है. न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ 15 अक्टूबर को इस मामले की सुनवाई करेगी.

महाविकास में बनी गठबंधन पर बात

केन्द्रीय चुनाव आयोग 10 को कर सकता है घोषणा

विदर्भ स्वाभिमान,2 अक्तूबर

मुंबई- राज्य में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी बढ़ रही है. इस सप्ताह के अंत तक विधानसभा चुनाव की घोषणा के संकेत मिले हैं. महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का महासंग्राम शुरू हो चुका है. 10 अक्टूबर को केंद्रीय चुनाव आयोग नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है. ऐसे संकेत हैं कि विजयादशमी के मौके पर महाविकास आघाड़ी की पहली उम्मीदवार सूची की घोषणा की जाएगी. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने भी कहा है के नवरात्रि के बाद महायुति गठबंधन की पहली लिस्ट आएगी.दिल्ली में अमित शाह के साथ हुई एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बैठक के बाद सीट शेयरिंग फॉर्मूला लगभग तय कर लिया गया है. दावा किया जा रहा है कि पहली लिस्ट में 100 प्रत्याशियों के नाम जारी किए जाएंगे.

हाल ही में बीजेपी के दिग्गज नेता और केंद्रीय मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में सह्याद्रि गेस्ट हाउस में महायुति नेताओं की बैठक हुई थी. खबर है कि इस बैठक में सीट आवंटन के फॉर्मूले को अंतिम रूप दे दिया गया था. हालांकि दिल्ली में एक और बैठक हुई और इस अंतिम लिस्ट पर फिर से फाइल चर्चा हुई और अब यही सूची दशहरे पर जारी की जाएगी. चुनाव को लेकर महाविकास और महायुति गठबंधन द्वारा जोरदार फील्डिंग लगाई जा रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

संस्कार और शक्ति का जागरण पर्व है नवरात्रि

गुरूवार से शक्ती का जागरण पर्व नवरात्रि आरंभ हो रहा है. सर्वप्रथम विदर्भ स्वाभिमान के असंख्य मित्रों, पाठकों, विज्ञापनदाताओं, मित्रों और देशवासियों को इस पावन और सकारात्मक उर्जा के तेज पुज वाले पर्व पर मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. मां दुर्गा के आशिर्वाद से सभी का जीवन खुशियों से प्रफुल्लित रहे, सुख, स्वास्थ्य, समृद्धि का दीपक सभी की जीवन को प्रकाशित करता रहे और विश्व कल्याण की सभी के मन में कामना रहे, ऐसी कामना करता हूं. मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना इस दौरान की जाती हैं .यह शक्ति का जहां प्रतीक पर्व है, वहीं नवरात्रि परं हम सभी को हर महिला के सम्मान और उनकी हर हाल में सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए. ऐसा करने से ही सही मायने में हम मां का आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे. दैनिक मतदार राज की ओर से सभी माता भक्तों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं.शहर के साथ ही पूरे देश में नवरात्रोत्सव शुरू हो गया है. यह महिलाओं की शक्ति का जहां महत्वपूर्ण त्यौहार है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के सभी रूपों का आदर करने के साथ ही इस दौरान तथा सदैव महिलाओं के सम्मान तथा सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए. नवरात्रोत्सव के उत्साह के साथ ही हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि मां दुर्गा के रूप में ही मां, बहन, भाभी सहित सभी रिश्तों को सम्मान देने के साथ ही उनकी सुरक्षा और सम्मान का संकल्प लेना चाहिए. केवल नवरात्रि मनाने से काम नहीं चलेगा. देश में जिस तरह से नाबालिग बेटियों के साथ ही महिलाओं पर भी अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं, वह यह सोचने के लिए विवश करती हैं कि आखिर कहां जा रहे हैं हम. भारतीय संस्कृति में महिलाओं को लक्ष्मी, दुर्गा तथा सरस्वती का दर्जा दिया गया है, उनकी घर में पूजा करने वाली संस्कृति में अगर कोई बेटी रास्ते चलते सुरक्षित नहीं है तो यह शासन-प्रशासन के साथ ही हमारे समाज के लिए भी शर्मनाक बात है. संस्कारों के पतन के कारण ही आज महिलाओं और बेटियों पर अत्याचार की घटनाएं बढ़ी हैं. नवरात्रि के इस पावन पर्व पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम हर बेटी, बहन का सम्मान करेंगे और उनकी सुरक्षा के लिए जो भी कुछ योगदान दे सकते हैं देने का प्रयास करेंगे. जिले में गुरुवार 3 अक्तूबर से नवरात्रोत्सव का आरंभ हो गया है. इसको लेकर सर्वत्र अपार उत्साह दिखाई दे रहा है. इसी के साथ पूरे नौ दिनों तक भक्ति सागर में डूबकर मां के जयकारों की गूंज होगी. शहर में 470, ग्रामीण में 1859 सार्वजनिक मंडलों द्वारा मां दुर्गा देवी व शारदा देवी की स्थापना की गई है.शहर में दस थाना अंतर्गत 63,ग्रामीण के 31 थाना क्षेत्रों में 31 जगहों पर गरबा-डांडिया रखा गया है. मां की आराधना के साथ ही हमें सभी महिलाओं की मां या बहन समान सम्मान देने का संकल्प लेना चाहिए. पुनश्च एक बार जिले तथा संपूर्ण विश्व की शक्ती रूपी महिलाओं को नमन करते हैं. यह खुशियों का पर्व रहता है. इसके बाद विजयादशमी, दीपावली तक खुशियां ही चलती रहती हैं.

सरकारी लगते ही क्यों आ रही नकारात्मकता

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

पहले के समय में सरकारी रूतबा काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता था. सरकारी विद्यालय, सरकारी अस्पताल, सरकारी बैंक या अन्य जिस पर सरकारी का ठप्पा लग जाता था, वह कई मामले में बिरला हो जाता था. लेकिन वर्तमान में सरकारी अस्पताल, सरकारी स्कूलों को लेकर नकारात्मकता क्यों आ रही है, यह सोच का वि की बात हो या सरकारी स्कूलों की, इन स्कूलों ने अपनी क्या प्रतिमा बनाई है, यह अलग से बताने की जरूरत नहीं है. सरकार द्वारा बेहतरीन वेतन, सुविधाएं देने के बाद भी केवल सेवाभाव की कमी अक्सर लोगों को यहां दिखाई देती है. आज सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के बच्चे भी अगर निजी स्कूलों में पढ़ रहे हैं तो सरकारी स्कूलों की सच्चाई क्या है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है. ऐसे में सरकार द्वारा अगर विद्यालयों का निजीकरण किया जा रहा है तो इसके लिए क्या सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता हीनता जिम्मेदार नहीं है. ऐसे में यह सोचना जरूरी है कि आखिर सरकार द्वारा क्यों विद्यालयों का निजीकरण किया जा रहा है. जिन गरीबों के बच्चों की दुहाई दी जा रही है तो शिक्षा हर बच्चे का मौलिक अधिकार है, इसकी जिम्मेदारी सरकार की है, ऐसे में निश्चित तौर पर इसके लिए भी सरकार ने सोचा ही होगा. लेकिन निजीकरण का विरोध करने की बजाय पहले हमें संबंधितों पर यह दबाव डालने का प्रयास करना चाहिए कि आखिर वे सरकारी अस्पताल और सरकारी विद्यालयों की गुणवत्ता क्यों नहीं बढ़ा सकते हैं. सरकार द्वारा यहां सेवारत कर्मचारियों,अधिकारियों को जब सभी सुविधाएं दी जाती हैं तो सरकारी विद्यालयों के साथ ही निजी विद्यालयों के छात्रों को आज ट्यूशन लगाने की जरूरत क्यों पड़ रही है.

सरकारी अस्पतालों की मशीनरी, आईएसआई मार्क वाली दवाई के साथ ही करोड़ों रूपए की बिल्डिंग तथा सभी सुविधा सरकार द्वारा देने के बाद भी आखिर क्यों कर यहां बेहतरीन सेवाएं देकर लोगों का सम्मान प्राप्त करने का प्रयास नहीं किया जाता.

सेवा समर्पित व्यक्तित्व हैं डॉ.क़ासट

शहर में कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिनका कार्य उनके कहीं पहुंचने से पहले पहुंच जाता है. ऐसे ही लोगों में शामिल हैं समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट. उनके साथ ही उनकी प्रेरणा से सदैव सामाजिक काम के लिए जेब खुला रखने वाले उनके मित्र परिवार का भी अभिनंदन किया जाना चाहिए, जो सदैव नेक कामों के लिए सहयोग करने के लिए तत्पर रहते हैं. 7 अक्तूबर को उनका जन्मदिन है. विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की ओर से उन्हें मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. साथ ही मां अंबा के आशिर्वाद से वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

समय के पाबंद के साथ लगातार सेवा कार्य जारी रखने वाले सफारी वाले गाड़गेबाबा की भूमिका में रहते हैं. उन्हें मदद देने के लिए तत्पर रहने वाले मान्यवरों का भी अभिनंदन किया जाना चाहिए. उनके चहेतों में कोई प्राचार्य हैं तो कोई सफलतम व्यवसायी, कोई बैंकर हैं तो कोई अन्य लेकिन उनके साथ रहते समय सभी में उनके अनुशासन प्रियता का आदरयुक्त डर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है. तपोवन में नववर्ष की खुशियों के दौरान तीन-तीन दर्जन कार्यक्रम 2 से ढाई घंटे में खत्म करना कोई मामूली बात नहीं है. लेकिन यह करामत केवल और केवल डॉ. गोविंद कासट में ही हो सकती है. शहर में आज हजारों लोग ऐसे मिल जाएंगे, जिनकी मदद उन्होंने की है. हजारों विधवा महिलाएं हारे युवक मिल सकते हैं, जिन्हें प्रेरणा देने का काम उन्होंने किया है.उनके कामों से प्रभावित होकर सैकड़ों लोग ऐसे हैं, जो लाखों रूपए की मदद आंख बंद कर देते हैं. बूंद-बूंद जमाकर जरूरतमंदों तक पहुंचाना कोई आसान काम नहीं है. सफारी वाले गाड़गेबाबा के रूप में आज पूरे शहर में सेवाभाव का पौधा नहीं खिलाया है, बल्कि इस पौधे की शाखाओं को बढ़ाने के साथ ही आने वाली पीढ़ियों को भी मानवता का पाठ पढ़ाने का पुण्य कर्म लगातार जारी है.

मानवता सेवा सच्चा धर्म

शहरवासियों के प्रेम और सभी साथियों के प्रति कृतज्ञता जताते हुए डॉ. गोविंद कासट का कहना है कि जीवन में जितने भी पल प्रभु ने दिया है, अगर किसी के काम आता है तो इससे बड़ी प्रभु सेवा नहीं हो सकती है. अच्छे काम के लिए अमरावती में धन कभी दिक्कत नहीं रही है. सभी का प्यार उन्हें प्रेरित करता है.

विदर्भ स्वाभिमान द्वारा जब उनके कामों का अवलोकन किया गया तो महान काम दिखाई दिया. 137 से अधिक किताबों के लेखक, अनगिनत डिग्रियां, प्रभु के आशिर्वादसे तमाम सम्पन्नता के बाद भी धूप में घूमने के साथ ही सामाजिक उपक्रमों की श्रृंखला चलाना आसान नहीं है. बेहतरीन प्रबंधन करते हुए अपने जीवन का हर पल समाज के लिए किस तरह जिया जा सकता है, लोगों को इस नेक काम के लिए किस तरह से प्रेरित किया जा सकता है, इसका आदर्श उदाहरण डॉ. गोविंद कासट हैं.उनके जन्मदिन पर डॉ.गोविंद कासट मित्र मंडल के सदस्य के रूप में मंगलमय शुभकामनाएं.यह सिलसिला इसी तरह चलता रहे, प्रभु चरणों में यही कामना. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें और सेवा की ज्योति इसी तरह जलती रहे, जन्मदिन पर हमारी यही हार्दिक शुभकामनाएं.

सुदर्शन गांग,
अमरावती.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189 .अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com

संत सेवा की आदर्श परम्परा है शर्मा परिवार की

पूज्य शिव गुरूजी महाराज के हाथों सम्मान, सेवा से अभिभूत हुए गुरूजी

अमरावती- शास्त्रों में संत-महात्माओं की सेवा का पुण्य सभी को नहीं मिलने की बात कही गई है. लेकिन मां अंबा की नगरी में धर्म-कर्म को मानने वाले और आज भी आदर्श आचरण के साथ संत-महात्माओं की सेवा के लिए अग्रणी परिवारों की कमी नहीं है. इसी आदर्श परिवार में संत सेवा की पीढ़ियों से परम्परा निभाने वाले और पुण्य संचय करने वाले परिवार क `रूप में आशीष शर्मा परिवार क़ा जिक्र किया जा सकता है. शर्मा परिवार का हर सदस्य जहां प्रभु की भक्तीभाव से ओतप्रोत रहता है, वहीं छोटे से लेकर बड़े तक संतों की सेवा का लाभ लेने से कभी नहीं चूकते हैं. अमरावती में वैसे तो कथाएं सदैव चलती ही रहती हैं. लेकिन जय भोलेनाथ ग्रुप, वीएनके ग्रुप तथा गड़गड़ेश्वर महादेव भक्त परिवार द्वारा 23 से 29 तक आयोजित शिव महापुराण कथा ने कई रिकार्ड तोड़ डाले. मंदिर के इतिहास में पहली बार इस तरह मित्रों की याद में मित्रों प्रवीण बुंदेले तथा सहयोगियों द्वारा यह कथा आयोजित की गई. ग्रुप का हर सदस्य तन-मन-धन से जिस तरह से कथा में सहभागी हुआ, सात दिनों तक सेवा दी, वह भी किसी चमत्कार से कम नहीं है. कथा में पहले दिन से ही भक्तों का जमावड़ा भी देखने लायक था. सेवा से परिपूर्ण शर्मा परिवार का गुरूजी के हाथों सत्कार किया गया. इसके साथ ही कथा के दौरान प्रवीण बुंदेले, महेन्द्र सरकटे, महेंद्र पांढरे, प्रा. रवि कोल्हे सहित सभी मित्रों की सराहना की जानी चाहिए, जिन्होंने इस कथा के लिए समर्पित प्रयास किया. पूज्य शिव गुरू महाराज के गोलोकधाम गौशाला के लिए भी शहरवासियों ने जीभर कर मदद की. यह कथा आने वाले कई वर्षों तक लोगों के लिए यादगार रहेगी.शर्मा परिवार का अभिनंदन.

विदर्भ स्वाभिमान

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

विश्वास,प्यार है बड़ी कमाई है

श्री बालाजी कैटरर्स तेजी से बढ़ रहा है कामयाबी की ओर, मेहनत को श्रेय तत्पर सेवा और बेहतरीन टीम के कारण मिली अपार सफलता-द्वारका व्यास

अमरावती- ज़ीवन में किसी भी क्षेत्र में तरक्की आसान नहीं है. लेकिन मेहनत, समर्पण और लगन के साथ ही अपनों का साथ हो तो निश्चित ही तरक्की असंभव भी नहीं होती है. इस बात को साबित किया है श्री बालाजी कैटरर्स ने. पिता द्वारकादास व्यास और पुत्र अर्जुन की जोड़ी ने आज इस व्यवसाय को जहां आसमानी बुलंदी प्रदान की है, वहीं आज शहर ही नहीं तो जिलास्तर पर सुख्यात फर्म बन गई है. गुणवत्ता,तत्पर सेवा, बेहतरीन टीम के कारण बड़े से बड़े आयोजन को यह पिता-पुत्र की जोड़ी साथ में मां का साथ ने पूरा किया है. स्वयं रोजगार के साथ ही कईयों को भी रोजगार दिया है. आज गुणवत्ता का जमाना है, इसमें जो गुणवत्ता में खरा उतरेगा, वही आगे बढ़ेगा. गुणवत्ता के मामले में वर्षों से लोगों के दिलों में स्थान बनाने वाला श्री बालाजी कैटरर्स खरा उतरा है. लोगों के विश्वास को ही संचालक द्वारका व्यास और पुत्र अर्जुन व्यास अपनी असली कमाई मानते हैं. वे कहते हैं कि अगर गुणवत्ता और मेहनत के साथ ही मीठी जुबान है तो दुनिया में कोई भी चीज असंभव नहीं है. उन्हें तो यहीअनुभव आया है. श्री बालाजी कैटरर्स न केवल शहर बल्कि जिले में लोकप्रिय स्थान पर पहुंच गया है. हजारों लोगों का स्वादवाला भोजन बनाने के साथ ही बेहतरीन इंतजाम इनकी जहां खूबी है, वहीं दूसरी ओर गुणवत्ता के मामले में कभी समझौता नहीं करते हैं. किसी भी क्षेत्र में कामयाबी आसान नहीं रहती है लेकिन अगर गुणवत्ता हो, मधुर वाणी हो, ईमानदारीहो तो किसी भी क्षेत्र में परचम फहराना कठिन भी नहीं है. इसी बात को साबित किया है श्री बालाजी कैटरर्स ने. माता-पिता और पुत्र की त्रिवेणी संगम जोड़ी ने जिस तरह से प्रतिष्ठान को आज ब्रांड के रूप में विकसित किया है, ग्राहकों का विश्वास जीता है और लगातार व्यवसाय बढ़ रहा है, इसका श्रेय वे ग्राहकों के विश्वास और ईमानदारी को देते हैं. संचालक द्वारका व्यास कहते हैं कि इस मंजिल तक पहुंचने के लिए उन्हों ने कम संघर्ष नहीं किया है. लेकिन ग्राहकों की सेवा को ही सदैव अपनी ताकत बनाई है. आज यह ब्रांड बनकर उभरा है. इस काम में पत्नी सौ. मंजू और पुत्र अर्जुन के आने और सक्रिय होने के बाद आज ग्राहकों का प्यार उन्हें भी हैरत में डालता है. बातचीत में वे कहते हैं कि परिवार की एकता और सभी का साथ ही परिवार को तरक्की की राह पर आगे बढ़ाने का चमत्कार कर सकता है. ग्राहकों के विश्वास को पिता-पुत्र अपनी असली पूंजी मानते हैं और सदैव यही विश्वास रहने का मत जताते हैं. ग्राहकों

किसी को पीड़ा देना पाप,खुशी देना है पुण्य

नवरात्रोत्सव तथा अन्य पर्वों पर पवित्रता के जतन की जरूरत, बाकी का अनुकरण करना चाहिए

विदर्भ स्वाभिमान

विशेष संस्कार पहल

भोलेनाथ की आराधना नहीं जाती है कभी व्यर्थ, सदैव करनी चाहिए

भगवान भोलेनाथ की आराधना जीवन में किसी न किसी रूप में हमें लाभ देती है. मन को सुकून देती है, दर्द मिटाती है. इसके लिए केवल हमारा स्वयं का विश्वास होना चाहिए. सब देवों में महादेव की पदवी प्राप्त भोलेनाथ महाकल्याणकारी हैं. शिव महा कल्याण कारी है. वो तो केवल एक लोटे जल से ही खुश हो जाते हैं. शिव आदिदेव है. शिव के स्मरण मात्र से ही सब दुख दूर हो जाते है. वो तो भोले नाथ है, जो भक्त उन्हे डंडे से मारता है, उससे भी खुश हो जाते है.

ज़ीवन में भोलेनाथ की भक्ती कभी बेकार नहीं जाती है. लेकिन अगर तुम्हारा विश्वस है तो. बिना विश्वास के कुछ नहीं मिलता है. विश्वास से इंसान से कठिन से कठिन स्थितियों में जीत सकता है. नवरात्रोत्सव का पावन पर्व सभी के जीवन में खुशियां लाए. यह पावन पर्व है, इसमें महिलाओं को भी अपनी मर्यादा का ध्यान देते हुए मां की आराधना करनी चाहिए. दिखावे का जमाना है, धर्म में विश्वास रखने वाला कभी दिखावा नहीं करता है.

ज़ीवन में किसी को कष्ट देने से बड़ा पाप नहीं है और किसी के चेहरे पर खुशी लाने से बड़ा पुण्य नहीं है. सभी धर्मों का सार आखिर मानवता का धर्म होता है. इसका पालन करने वाला जीवन में कभी भी परेशान नहीं होता है. इसलिए जितना संभव हो, मानवता का दीपक जलाने का प्रयास करना चाहिए. ऊँ नमः शिवाय-कहते है, पृथ्वी की सम्पूर्ण शक्ति इसी पंचाक्षर मंत्र में ही समाहित है. त्रिदेवों में ब्रह्म देव सृष्टि के रचयिता है, तो श्री हरि पालनहार हैं, भगवान भोलेनाथ संहारक. शिव तो आशुतोष हैं, जल्द ही प्रसन्न हो जाते है.शिव के साथ जब तक शक्ति है तभी तक वो शिव कहलाते है, बिना शक्ति के शव के समान हो जाते है. उनका अर्धनारीश्वर रुप इसी बात का प्रतीक है. अपने इस रुप से प्रभु सबको ये सीख देना चाहते है, कि प्रकृति (स्त्री) और पुरुष दोनों एक दूसरे के बिना अधूरे होते हैं और साथ मिलकर ही सम्पूर्ण होते है. किसी की भी महत्ता कम नहीं है अपितु समान है.महादेव अपने परिवार, पार्वती, श्रीगणेश और कार्तिकेय के साथ कैलाश पर्वत पर निवास करते हैं। साथ ही नंदी, शिवगण आदि भी उनके साथ वहां पर निवास करते हैं.भगवान शिव के कई नाम हैं और वो योग और नृत्य सहित जीवन के विभिन्न पहलुओं के देवता हैं. अमरावती पावन नगरी है, यहां धर्म में अपार विश्वास लोगों का रहता है. नवरात्रि भी उत्साह के साथ मनाने के साथ ही सभी जीवन में जितना बन सके, मानवता, गौमाता की सेवा का पुण्य प्राप्त करते हुए अपने जीवन को धन्य बनाने का प्रयास करें. इससे निश्चित तौर पर अपार हर्ष की अनुभूति होगी.

नवरात्रि पर सभी की मनोकामनाएं मां दुर्गा पूरी हों-नमिता तिवारी

अमरावती- नवरात्रि खुशियों के साथ ही उत्साह और संकल्प का पर्व है. इसमें सभी को मां की आराधना करनी चाहिए. साथ ही जितना भी बन सके, अपनी ओर से अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए. श्रीराम सेना की प्रदेश प्रमुख सहित विभिन्न पदों की जिम्मेदारी संभालने वाली डॉ. नमिता तिवारी ने सभी को नवरात्रि की शुभकामनाएं दी हैं. उनके मुताबिक महिलाओं के सम्मान के साथ ही उनकी सुरक्षा का संकल्प लेने का यह त्यौहार है. इस दौरान सभी को भक्तिभाव के साथ शक्ती जागरण का मौका मिलता है.

शक्ति का जहां प्रतीक पर्व है, वहीं नवरात्रि परं हम सभी को हर महिला के सम्मान और उनकी हर हाल में सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए. ऐसा करने से ही सही मायने में हम मां का आशीर्वाद प्राप्त कर सकेंगे. दैनिक मतदार राज की ओर से सभी माता भक्तों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं.शहर के साथ ही पूरे देश में नवरात्रोत्सव शुरू हो गया है. यह महिलाओं की शक्ति का जहां महत्वपूर्ण त्यौहार है, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के सभी रूपों का आदर करने के साथ ही इस दौरान तथा सदैव महिलाओं के सम्मान तथा सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए. नवरात्रोत्सव के उत्साह के साथ ही हमें इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि मां दुर्गा के रूप में ही मां, बहन, भाभी सहित सभी रिश्तों को सम्मान देने के साथ ही उनकी सुरक्षा और सम्मान का संकल्प लेना चाहिए. केवल नवरात्रि मनाने से काम नहीं चलेगा. महिलाओं को भी स्वयं को कमजोर नहीं बल्कि शक्ति का प्रतीक समझते हुए किसी भी आने वाली चुनौती का सामना मां दुर्गा,महाकाली बनकर करने के लिए तैयार रहने का आग्रह किया.

विद्वता में भी सादगी,विनम्रता की प्रतिमूर्ति हैं डॉ. राजू डांगे

जन्मदिन पर विशेष, 4 डाक्टरेट, 7 स्नातकोत्तर, 3 स्नातक मिलाकर 14 डिग्रियां हैं

क़हते हैं कि शिक्षा जहां आदमी को संवारती है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा तथा ज्ञान का भंडार होने के बाद भी जिसके पास विनम्रता रहती है, वह व्यक्ति सदैव आदरणीय और सभी का सम्मान प्राप्त करता है. अंतर्राष्ट्रीय योग विशेषज्ञ के साथ ही लगभग 14 डिग्रियां रखने वाले डॉ. राजू रामराव डांगे जहां राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं देते हुए अमरावती का नाम रोशन कर रहे हैं, वहीं सम्पन्नता, विद्वता के साथ ही विनम्रता के त्रिवेणी संगम व्यक्तित्व हैं. डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडली के सक्रिय सदस्य, सुख्यात मंच संचालक के साथ ही अनगिनत खूबियां उनके पास हैं. लेकिन इसके बाद भी जिस तरह से वे विनम्रता से बात करते हैं और सभी को सम्मान देते हैं, वह निश्चित

ही उनसे लेने वाला गुण हैं.

डॉ. राजू डांगे जहां खुशमिजाज व्यक्ति हैं, वहीं मानवता की सेवा के साथ ही मानव धर्म को सदैव अत्याधिक महत्व देते हैं. उनका कहना रहता है कि अगर हम किसी का अच्छा नहीं कर सकते हैं तो कम से कम बुरा सोचने का भी हमें अधिकार नहीं है. ग्रामगीताचार्य के साथ कुल 14 डिग्रियां उनके पास हैं. बीएससी कम्प्यूटर, बीए मूल्य शिक्षा, एमएसडब्ल्यू के साथ ही योग तथा कम्पुनिकेशन में एमए, स्वास्थ्य शिक्षा के साथ ही 4 अलग-अलग विषयों में उन्हों ने पीएचडी की उपाधि हासिल की है. लेकिन उनसे मिलने और उनके व्यवहार को देखकर कोई भी अंदाज नहीं लगा सकता है कि अमरावती का यह बंदा इतनी पहुंची हुई हस्ती है.

वे कहते हैं कि सम्मान देने वालों को ही सम्मान प्राप्त होता है. मैं जब हर व्यक्ति को सम्मान देता हूं तो निश्चित तौर पर हर व्यक्ति से मुझे सम्मान ही मिलेगा. लेकिन अगर मैं हर व्यक्ति को अपने सामने कुछ नहीं समझता हूं तो निश्चित तौर पर मुझे भी लोग भला क्यों सम्मान देंगे. वे कहते हैं कि बचपन से ही माता-पिता के आदर्श संस्कार, राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज के आदर्श विचारों का असर उनके जीवन पर पड़ा है. वे कहते हैं कि जीवन में जो लोग अन्यों की खुशियों का विचार करते हैं, उनकी खुशियों को बरकरार रखने का जिम्मा स्वयं भगवान उठाते हैं. ऐसे में हमारा कर्तव्य बनता है कि हम सभी दुनिया में मेहमान हैं, जिस तरह मेहमान के आगमन के बाद हम उनका सम्मान करते हैं, उसी तरह मानवता की सेवा और अपने से कमजोर वर्गों की जितना संभव हो मदद करते हुए उन्हें सहयोग करने का भाव जब हम रखेंगे तो निश्चित तौर पर हमारी कई समस्याओं का निराकरण वैसे ही हो जाएगा. जीवन में वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, यही कामना.

प्रा. संजय शिरभाते
अमरावती.

ग्राम पंचायत कार्यालय, वडगांव माहोरे

ता,जि. अमरावती

निविदा सूचना क्र.1 (पहिली)

ग्राम पंचायत कार्यालय,वडगांव माहोरे, ता. जि.अमरावती यांचे मार्फत खालील कामांची मोहोरबंद निविदा ब-1 टक्केवारी प्रपत्रामध्ये बांधकाम विभाग,अमरावती यांचे वर्गातील नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून मागविण्यात येत आहे. कोऱ्या निविदा सरपंच/सचिव ग्राम पंचायत कार्यालय,वडगांव माहोरे, ता. जि.अमरावती कडून देण्यात येतील.

अनु क्रमांक	क़ामाचे नाव	अंदाजित कीमत रूपए	योजना	बयाना रक्कम 1 टक्के	काम करण्याचा कालावधी	पंजीबद्ध कंत्राटदाराचे विवरण	कोऱ्या निविदेची कीमत
1	कांक्रिट रास्ता बांधकाम करणे.	150000/-	15वा वित्त आयोग	1500/-	3 महीने	6	200/-
2	नाली बांधकाम व दुरूस्ती	150000/-	15वा वित्त आयोग	1500/-	6 महीने	6	200/-
3	15वा वित्त आयोग अंतर्गत बंदिस्त नाली बांधकाम करणे.	230000/-	15वा वित्त आयोग	2300/-	6 महीने	6	200/-
4	जि.प.शाळेचे पेविंग ब्लॉक बसविणे	300000/-	15वा वित्त आयोग	3000/-	6 महीने	6	200/-

टिप :

1) निविदा वितरण व स्वीकृतीचा दिनांक 30-09-2024 ते 07-10-2024 कार्यालयीन वेळेत.
2) निविदा उघडण्याची दि. 08-10-2024 सकाळी 11 वाजता.
3) निविदेच्या अटी व शर्ती ग्राम पंचायत कार्यालय वडगांव माहोरे, ता. जि. अमरावती यांचे कार्यालयात कार्यालयीन वेळेत पाहावयास मिळतील.
4) निविदा ह्या दोन लिफाफा पद्धतीने सादर करावयाचा आहेत.
5) निविदा स्वीकारण्याचे तसेच काही कारणास्तव निविदा रद्द करण्याचे अधिकार ग्राम पंचायतीने राखून ठेवलेले आहे.

सरपंच/सचिव
ग्राम पंचायत वडगांव माहोरे
ता. जि.अमरावती.

सेवाभावी कामों से लोकप्रियता के शिखर पर हैं पांडे दम्पति

मानव सेवा के साथ ही प्रभाग का सर्वांगीण विकास की ही रखते हैं सोच

अमरावती- नेताओं और प्रापर्टी ब्रोकरों की संख्या शहर में तेजी से बढ़ रही है. लेकिन विश्वसनीयता केमामले में कुछ ही नेता और कुछ ही प्रापर्टी ब्रोकर नाम कमाते हैं. नेताओं में पांडे दम्पति सेवाभावी काम के कारण न केवल शहर बल्कि जिले में पहचाना जाता है. पूर्व उपमहापौर प्रमोद पांडे और पूर्व पार्षद अंजली पांडे ऐसे ही दम्पती हैं, जिनसे पद गौरवान्वित होता है. सेवा के साथ प्रभाग के विकास की ललक दोनों को लोगों के दिलों में रखती है. हर काम में अग्रणी रहने के साथ ही राष्ट्राभिमान का जज्बा भी दोनों में जबर्दस्त है. देश की सेवा कर चुके पिता की राष्ट्रभक्ती प्रमोद पांडे में कूटकर भरी हुई है. शहर में नेताओं की संख्या एलआइसी एजेंटों की तुलना में भी तेजी से बढ़ रही है. स्थानीय से लेकर शहर तथा जिले में नेताओं की भरमार है. लेकिन बिना किसी पद पर रहने के बाद भी पद पर रहने वाले अधिक सम्मान, अधिक जनता का प्रेम पाने और जनता के लिए उतने ही तत्पर रहने वाले नेताओं की संख्या नहीं समान हैं.

लेकिन प्रमोद पांडे और अंजली पांडे दम्पति इसके अपवाद हैं. पद के कारण नहीं बल्कि अपने कामों, जनता की सेवा में समर्पण जैसी खूबियों के कारण ही यह दम्पति आज पद पर नहीं रहने के बाद भी शहर में सदैव किसी न किसी मुद्दे को लेकर छाया रहता है. चाहे चुनाव सुधार की बात हो, चाहे राजापेठ से दस्तूर नगर के रोड की समस्या हो, जलापूर्ति को लेकर मजीप्रा अथवा बिजली की शिकायत को लेकर महावितरण की समस्या हो, लोगों की हर समस्या के निराकरण के लिए अग्रणी रहने वाले युवा नेता के रूप में पांडे दम्पति का सम्मानके साथ नाम न केवल प्रभाग बल्कि समूचे शहर में लिया जाता है. उनका कहना है कि पद तो विकास को गतिशील बनाने का माध्यम होता है. वर्ना अगर चाहत हो, जनता के प्रति प्रेम हो तो ऐसी कोई समस्या नहीं है, जिसका समधान नहीं किया जा सके.

शहर के पूर्व उपमहापौर और अध्ययनशील नेता, बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्तित्व प्रमोद पांडे के मुताबिक केन्द्र सरकार की गलत नीतियों के कारण कोरोना से पहले ही बेजार गरीबों, मध्यमवर्गीयों,निजी नौकरीपेशा लोगों का जीना दुर्लभ हो गया है. सिलें डर की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि ने घरेलू बजट गड़बड़ा दिए हैं. उनके मुताबिक पिछले सात साल के दौरान महंगाई ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं. जीवनावश्यक वस्तुओं के साथ ही जिस तरह से पेट्रोल, डीजल, सिलेंडर की कीमतों ने गति पकड़ी है, उसमें आम आदमी झुलस रहा है. गैस सिलंडर 1027 रूपए हो गया है. महंगाई से लोगों को राहत मिलनी चाहिए.

सभी के चहेते, विनम्र, विद्वान,योग विशेषज्ञ
डॉ. राजूभाऊ डांगे
को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक
शुभकामनाएं

शुभेच्छुक
प्रा. संजय शिरभाते, विदर्भ स्वाभिमान
तथा डॉ. डांगे मित्र परिवार,अमरावती.

आत्मीयता बढ़ाती है प्रेम

जीवन में आप किसी को आत्मीयता का दर्शन कराएंगे तो निश्चित तौर पर उससे आपको प्रेम मिलना तय होता है. लेकिन हम जब किसी के साथ केवल स्वार्थ के लिए जुड़ेंगे तो कभी न कभी उसे इस बात का पता चलता है और संबंध कभी मजबूत नहीं हो सकता है.

विदर्भ स्वाभिमान

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे
मोबाइल 9423426199

विदर्भ स्वाभिमान

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

उपाध्याय ड्रायफ्रूट्स एन्ड फुडस्,जवाहर रोड के भीतर,अमरावती

ज़वाहर रोड के भीतर,अमरावती.

तपोनेश्वर महादेव की आराधना

विगत दिनों अमरावती में गड़गड़ेश्वर महादेव मंदिर में वीएनके ग्रुप तथा जयभोलेनाथ ग्रुप द्वारा आयोजित शिव महापुराण कथा के लिए आए उज्जैन जिले के उन्हेल निवासी और घायल गौमाता की सेवा के लिए गोलोकधाम गौशाला बनाने तथा 400 से अधिक घायल गौमाता की सेवा का महान पुण्य कमाने वाले पूज्य शिव गुरूजी महाराज ने तपोभूमि के रूप में सुख्यात तपोनेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर भोलेनाथ का दर्शन किया. इस मौके पर यहां बेहतरीन अनुभूति आने और यह जागृत क्षेत्र रहने की बात कही. मौके पर संस्थान के अध्यक्ष अनिल साहू तथा अन्य भक्त उपस्थित थे. गुरूजी ने मासोद में स्थिति ज्ञानशांति उपवन ओल्डेज होम को भेंट देकर सत्संग भी किया. साथ ही आगामी समय में अमरावती में कथा के लिए आने पर यहां बुजुर्ग माता-पिता को एक घंटे का सत्संग सुनाने का वादा किया. इससे सभी बुजुर्ग प्रसन्न हो गए.

मेष
इस राशि के लोगों के लिए यह सप्ताह बेहतरीन फलदायी रहने वाला है. वाहन से सावधानी बरतने के साथ काम पर ध्यान देना लाभदायी होगा.

वृषभ
भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे. दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेंगे.रिश्तों में चल रही गलतफहमी दूर होगी.

मिथुन
अपनों के बारे में चिंता की संभावना है.यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का पूरा फायदा मिलने वाला है.

कर्क
दिखावे के चक्कर में कर्ज का बोझ बढ़ाने से बचें . आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह
सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या
विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला
घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक
दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु
गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर
घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ
समझदारी के साथ जिद करने से बचें . अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन
दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है. समय पर फैसला होगा लाभकारी.

समय के साथ आज पत्रकारिता का क्षेत्र भी व्यावसायिक हो गया है.लेकिन विदर्भ स्वाभिमान ने सामाजिक प्रतिबद्धता और आदर्श मूल्यों के साथ ही परिवार, आदर्श-आचार-विचार और संस्कारों को ही सदैव प्रोत्साहन दिया. नकरात्मकता से सदैव दूर रहने के कारण यह आदर्श पारिवारिक अखबार साबित हुआ है. केवल सकारात्मक बातों पर गौर करने की खूबी के कारण आज यह विदर्भ का लोकप्रिय समाचार पत्र बन गया है. सामाजिक पत्रकारिता का आदर्श उदाहरण मैं विदर्भ स्वाभिमान को मानता हूं.राष्ट्र सबसे पहले वाली नीति पर यह अखबार चलता है. इसमें अपराध, बदमाशी, भ्रष्टाचार की बजाय संस्कारों को बढ़ावा देने के साथ ही संयुक्त परिवार, धर्म,कर्म और सामाजिक सेवा को बढ़ावा दिया जाता है. यही कारण है कि अखबार आज विदर्भस्तर पर प्रतिष्ठित अखबारों में गिना जाता है.मेरी अखबार को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह इसी तरह आगे बढ़े, मानवता,दीन-दलितों की सेवा के साथ ही गरीबों पर होने वाले अन्याय,अत्याचार को भी उजागर करता रहे, यही कामना. विदर्भ स्वाभिमान के 15वें वर्ष में पदार्पण पर हमारी शुभकामनाएं. यह अखबार इसी तरह उत्तरोत्तर प्रगति करे, हम यही कामना करते हैं.

मधुकरराव अभ्यंकर
जाने-माने
समाजसेवी,मानवसेवी, ,
अमरावती.

डॉ.गोविंद कासट

सेवा,समर्पण,विनम्रता के संगम, हम सभी के प्रेरणास्थान और सदैव सकारात्मक सोच को आगे रखकर सेवा भाव रखने वाले

डॉ.गोविंद कासट

क़ो जन्मदिन 7 अक्तूबर पर हम सभी की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं. वे स्वस्थ रहें, मस्त रहें, प्रभु चरणों में यही कामना, जन्मदिन की कोटिशः

हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक

आनंद परिवार, विदर्भ स्वाभिमान परिवार, डॉ. गोविंद कासट मित्र मंडल व असंख्य मित्र परिवार, अमरावती.

युवाओं का प्रेरणादायी समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट

जन्मदिन 7 अक्तूबर पर विशेष, लाखों की मदद,जारी है सदैव सिलसिला

ड़ॉ. गोविंद कासट आज न केवल अमरावती बल्कि सेवाभावी उपक्रमों के लिए संभाग में सुख्यत हैं. लोगों की सहायता से वे गरीबों, विधवा महिलाओं,जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं. प्रेरणादायी व्यक्तित्व के रूप में जहां युवाओं के लिए प्रेरणा देने का काम करते हैं, वहीं लाखों लोगों के प्रेरणास्त्रोत हैं. 79 साल की उम्र में भी उनकी सक्रियता युवाओं को शर्मसार कर देती है. सेवा कामों में सदैव व्यस्त रहते हैं. अभी तक मित्रों, सहयोगियों के साथ मिलकर हजारों लोगों की मदद की है. हजारों महिलाओं, दिव्यांगों , ग़रीबों की मदद कर उन्हें रोजगार देने वाले हम सभी के लिए गुरू नहीं बल्कि 78 वर्षीय महागुरू डॉ. गोविंद कासट. 12 डिग्री 170 के करीब किताबों के लेखक के साथ ही बहुगुणी व्यक्तित्व शब्द भी उनके लिए छोटा पड़ जाता है. गोविंद कासट मित्र मंडली आज शहर ही नहीं तो जिला और विदर्भस्तर की सेवाभावी मंडली के रूप में स्थान रखती है. उसका पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है. पहली बार मुलाकात के बाद से उनके व्यक्तित्व का पहलू देखने के बाद पीएचडी थेसिस या किताब कम पड़ जाए, ऐसा उनका व्यक्तित्व है. 78 वें जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार क़ी करोड़ों मंगलमय शुभकामनाएं. सफारी वाले गाड़गेबाबा के रूप में उनके मंडली जानती है. सेवा को समर्पण

के साथ ही उनकी सक्रियता युवाओं को भी शर्मसार करने का ताकत रखती है. जीवन में सभी को केवल और केवल खुशियां बांटने वाले फिल्मों के शौकीन डॉ. कासट कहते हैं कि जिस काम से मन को संतुष्टी मिले और खुशी मिले, उसे करना चाहिए. उनके परम मित्र सुदर्शन गांग हों , प्रदीप जैन हों , प्रा. बाबा राऊत, प्राचार्य सुभाष गवई, प्रा.संजय शिरभाते सहित हजारों नाम ऐसे गिनाए जा सकते हैं, जो अपने क्षेत्र के दिग्गज रहने के बाद भी डॉ. कासट का शब्द उनके लिए आदेश समान होता है. यह उनकी आत्मीयता और अपनेपन के साथ ही प्रेमलता का सबसे बड़ा उदाहरण है. वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे, यह मैथिलीकरण गुप्तजी की कविता को मानो समाजसेवी डॉ. गोविंद कासट ने अपना सार बना लिया है. स्वयं सेवाभाव में दिनभर व्यस्त रहते हैं. उनके साथ रहने वाले भी उनके जैसे ही बनाने का काम करते हैं. धन्य है आपका सेवाभाव. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं.आप सदैव स्वस्थ रहें, मस्त रहें और सभी का मार्गदर्शन सदैव करते रहे , यही कामना.

सुभाष दुबे
संपादक

Happy Birthday!

सुख्यात समाजसेवी,हजारों की मदद कर चुके और इतनी ही महिलाओं को अपने पैरों पर खड़ा करने में योगदान देने वाले हमारे गुरू और सकारात्मक सोच,सेवा के प्रतीक

डॉ.गोविंद कासट सर

को जन्मदिन 7 अक्तूबर की

हार्दिक शुभकामनाएँ

शुभेच्छुक- विदर्भ स्वाभिमान, अमरावती.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन

राजपुरोहित स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

शारदा नगर, रघुवीर मोटर्स के पास,अमरावती.अमरावती.
मो.9028123251

हर गुरूवार नियमित पढ़िये विदर्भ स्वाभिमान

घर का सपना आपका, पूरा करने में योगदान करते हैं हम

थोक की दर में निर्माण साहित्य का विश्वसनीय स्थान

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नहीं है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. शास्त्र कहते हैं कि परिवार की एकता के साथ ही जब रिश्तों में आत्मीयता रहती है तो निश्चित तौर पर पूरा परिवार आगे बढ़ता है.लेकिन परिवार में बड़ा ही गोबर खाने वाले विचारों से ओतप्रोत होता है तो परिवार का पतन होता है. आमतौर पर पिता के बाद बड़ा भाई परिवार में समझदार रहा तो परिवार को आगे खींचता है लेकिन वह स्वार्थी निकल गया तो परिवार का सत्यानाश होता है.

विदर्भ स्वाभिमान

❖ अमरावती, गुरूवार 3 से 9 अक्तूबर 2024 ❖वर्ष :15 ❖ अंक- 15 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे. इस मानवीयता के नेक काम में आप विज्ञापन के माध्यम से हमें सहयोग देकर इस कड़ी को बढ़ाने का प्रयास करें.

पद, प्रतिष्ठा न कभी किसी के साथ हमेशा रही है न रहती है. लेकिन जिन लोगों ने पद और प्रतिष्ठा का उपयोग समाजहित में किया रहता है, वे बिना पद के भी सम्मानित रहते हैं. मरने के बाद भी नहीं मरने वाले लोगों में उनका नाम रहता है. इसलिए सदैव अच्छी सोचते हुए अच्छा करना चाहिए.

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com